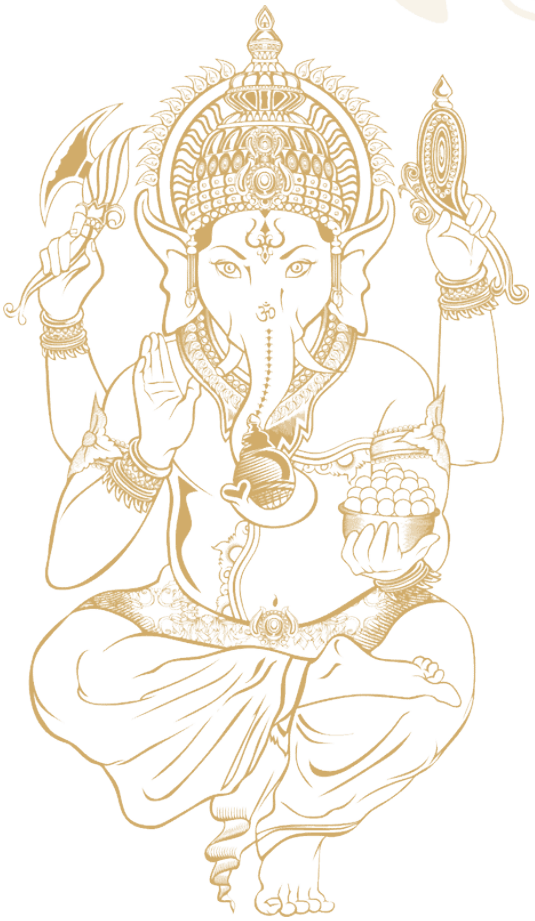

Jainil

17 Jun 2003

06:15 PM

Surat

Model: web-freekundliweb

Order No: 121692104

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**17/06/2003**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**18:15:00 घंटे**
इष्ट	30:44:39 घटी
स्थान	**Surat**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:10:00 उत्तर
रेखांश	72:50:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:40 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	17:36:20 घंटे
वेलान्तर	-00:00:46 घंटे
साम्पातिक काल	11:17:47 घंटे
सूर्योदय	05:57:08 घंटे
सूर्यास्त	19:21:47 घंटे
दिनमान	13:24:39 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	02:01:33 मिथुन
लग्न के अंश	17:57:25 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 1**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ऐन्द्र
करण	बव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खी-खिलावन
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	17:57:25	319:02:20	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			मिथु	02:01:33	00:57:16	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	सम राशि
चंद्र			मक	13:04:45	13:47:05	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	सम राशि
मंगल			कुंभ	06:16:50	00:25:19	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			वृष	13:07:01	01:40:43	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			कर्क	21:33:59	00:10:30	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	सूर्य	उच्च राशि
शुक्र			वृष	15:05:28	01:13:07	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	गुरु	स्वराशि
शनि		अ	मिथु	07:49:38	00:07:47	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
राहु	व		वृष	05:20:08	00:03:30	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	05:20:08	00:03:30	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	08:52:39	00:00:29	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	---
नेप	व		मक	19:00:40	00:00:58	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	24:29:56	00:01:35	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	---
दशम भाव			सिंह	24:37:03	--	पू०फाल्गुनी	--	11	सूर्य	शुक्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:05

लग्न-चलित

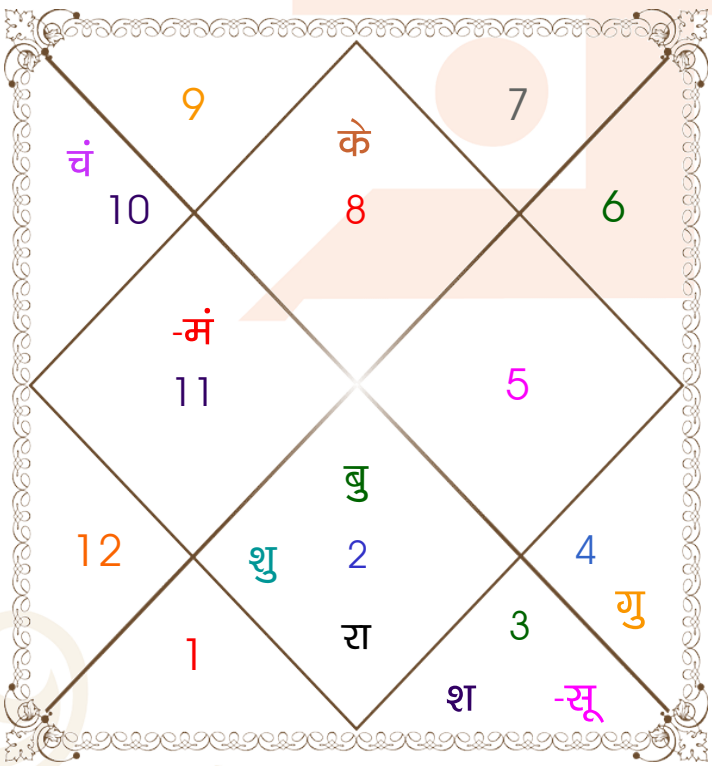

चन्द्र कुंडली

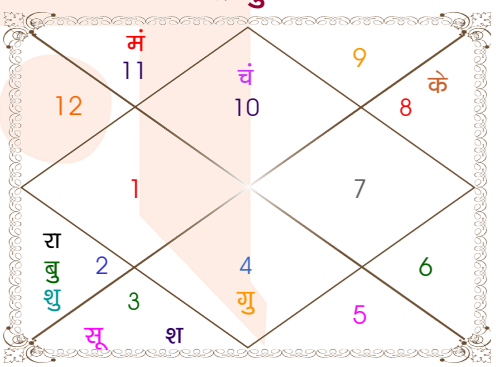

नवमांश कुंडली

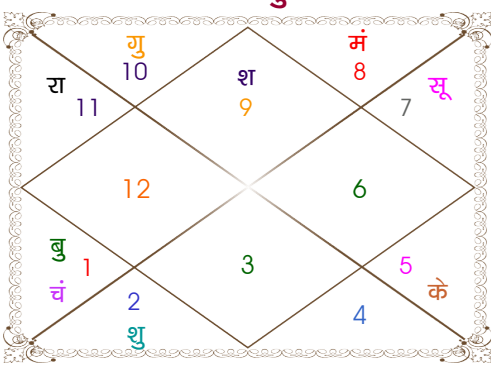

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 7 वर्ष 8 मास 8 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/06/2003		24/02/2011		24/02/2018		24/02/2036		24/02/2052	
24/02/2011		24/02/2018		24/02/2036		24/02/2052		24/02/2071	
	00/00/0000	मंगल	23/07/2011	राहु	06/11/2020	गुरु	14/04/2038	शनि	27/02/2055
	17/06/2003	राहु	10/08/2012	गुरु	02/04/2023	शनि	25/10/2040	बुध	06/11/2057
राहु	25/01/2004	गुरु	17/07/2013	शनि	06/02/2026	बुध	31/01/2043	केतु	16/12/2058
गुरु	26/05/2005	शनि	26/08/2014	बुध	25/08/2028	केतु	07/01/2044	शुक्र	15/02/2062
शनि	25/12/2006	बुध	23/08/2015	केतु	13/09/2029	शुक्र	07/09/2046	सूर्य	28/01/2063
बुध	26/05/2008	केतु	19/01/2016	शुक्र	12/09/2032	सूर्य	26/06/2047	चंद्र	28/08/2064
केतु	25/12/2008	शुक्र	20/03/2017	सूर्य	07/08/2033	चंद्र	25/10/2048	मंगल	07/10/2065
शुक्र	26/08/2010	सूर्य	26/07/2017	चंद्र	06/02/2035	मंगल	01/10/2049	राहु	13/08/2068
सूर्य	24/02/2011	चंद्र	24/02/2018	मंगल	24/02/2036	राहु	24/02/2052	गुरु	24/02/2071

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
24/02/2071		24/02/2088		24/02/2095		25/02/2115		25/02/2121	
24/02/2088		24/02/2095		25/02/2115		25/02/2121		00/00/0000	
बुध	23/07/2073	केतु	23/07/2088	शुक्र	26/06/2098	सूर्य	15/06/2115	चंद्र	26/12/2121
केतु	20/07/2074	शुक्र	22/09/2089	सूर्य	26/06/2099	चंद्र	14/12/2115	मंगल	27/07/2122
शुक्र	20/05/2077	सूर्य	28/01/2090	चंद्र	25/02/2101	मंगल	20/04/2116	राहु	18/06/2123
सूर्य	26/03/2078	चंद्र	29/08/2090	मंगल	27/04/2102	राहु	15/03/2117		00/00/0000
चंद्र	26/08/2079	मंगल	25/01/2091	राहु	27/04/2105	गुरु	01/01/2118		00/00/0000
मंगल	22/08/2080	राहु	12/02/2092	गुरु	27/12/2107	शनि	14/12/2118		00/00/0000
राहु	11/03/2083	गुरु	18/01/2093	शनि	25/02/2111	बुध	21/10/2119		00/00/0000
गुरु	16/06/2085	शनि	27/02/2094	बुध	26/12/2113	केतु	25/02/2120		00/00/0000
शनि	24/02/2088	बुध	24/02/2095	केतु	25/02/2115	शुक्र	25/02/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 7 वर्ष 8 मा 18 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।